14/7/19 वादी एवं वादी के अधिवक्ता को बार-बार ऊक-ऊक कर आवाज दिलाई गई पूर्व मे भी लम्बे समय से कोई उपस्थित नही हो रहे हैं आज भी कोई उपस्थित नही है उपस्थित नही होने के कारण वादी का वाद अदम हाजरी अदम पैरवी मे खारिज किया जाता है प्रकरण फैसल शुमार होकर नम्बर से कम हो। तथा बाद तकमील पत्रावली लेख-भण्डार हो।

Signature Not Verified
Digitally signed by Brijendra Meena
Date: 2019.11.14 11:03:36 IST
Reason: SelfAttested